भारत के आर्थिक दर्पण का पुनर्गठन: नई GDP श्रृंखला को समझना

‘‘जब माप बदलता है, तो अर्थ बadल जाता है"

- "यदि थर्मामीटर खराब हो, तो एक स्वस्थ व्यक्ति भी बीमार लग सकता है। इसी तरह, यदि आर्थिक माप के उपकरण पुराने हों, तो देश के विकास की सही तस्वीर विकृत हो सकती है। भारत का GDP के आधार वर्ष (Base Year) को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने का निर्णय केवल एक तकनीकी अपडेट नहीं है — यह आर्थिक माप में एक संरचनात्मक सुधार है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा उठाए गए इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय आय के अनुमानों को अधिक सटीक, पारदर्शी और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप बनाना है।"

UPSC प्रासंगिकता: GS पेपर 3 – भारतीय अर्थव्यवस्था

चर्चा में क्यों?

- 27 फरवरी, 2026 को MoSPI ने नए आधार वर्ष 2022-23 के तहत GDP अनुमान जारी किए, जिसमें प्रमुख कार्यप्रणाली और डेटा सुधारों को शामिल किया गया है।
- इस संशोधन में अनौपचारिक क्षेत्र का बेहतर अनुमान, 'डबल डिफ्लेशन' (Double Deflation) को अपनाना, 'सप्लाई एंड यूज़ टेबल्स' (SUT) का एकीकरण और GST तथा PFMS जैसे वास्तविक समय के डिजिटल डेटा का अधिक उपयोग शामिल है।

पृष्ठभूमि: आधार वर्ष संशोधन क्या है?

GDP को समझना

- सकल घरेलू उत्पाद (GDP) एक विशिष्ट अवधि के दौरान देश के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापता है।
- वास्तविक विकास को मापने के लिए मुद्रास्फीति (Inflation) को हटाना आवश्यक है। यह एक विशेष संदर्भ वर्ष की कीमतों का उपयोग करके किया जाता है — जिसे **आधार वर्ष (Base Year)** कहा जाता है।

आधार वर्ष क्यों बदलें? 2011 में भारत की अर्थव्यवस्था की संरचना आज से बहुत अलग थी:

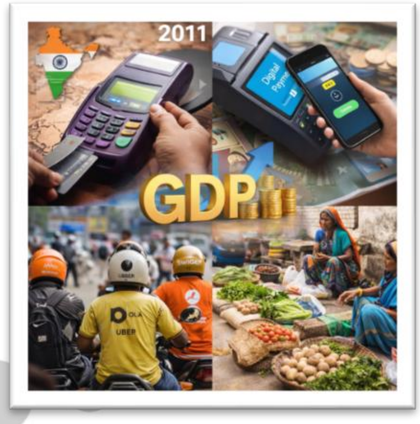

- डिजिटल भुगतान सीमित थे और GST अस्तित्व में नहीं था।
- ओला (Uber) या स्विगी (Swiggy) जैसे गिग इकोनॉमी प्लेटफॉर्म शुरुआती चरण में थे।
- अनौपचारिक क्षेत्र का डेटा कम मजबूत था।
- आज की अर्थव्यवस्था को मापने के लिए 2011-12 की कीमतों का उपयोग करना इन परिवर्तनों को अनदेखा करना होगा। अतः, पुनर्गठन (Rebasing) यह सुनिश्चित करता है कि GDP वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाए।

2022-23 को ही नया आधार वर्ष क्यों चुना गया?

MoSPI आमतौर पर हर पांच साल में आधार वर्ष को संशोधित करता है। हालांकि:

- 2017-18 में GST लागू हुआ।
- 2019-20 और 2020-21 COVID-19 से प्रभावित रहे।
- 2021-22 में "बेस इफेक्ट" के कारण असामान्य वृद्धि दिखी।
- इसलिए, राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी सलाहकार समिति द्वारा **2022-23** को एक "सामान्य" आर्थिक वर्ष माना गया।

प्रमुख कार्यप्रणाली सुधार (Major Methodological Improvements)

1. अनौपचारिक क्षेत्र का बेहतर मापन

- पहले, घरेलू क्षेत्र (जिसमें छोटी दुकानें, स्वरोजगार, गिग वर्कर्स आदि शामिल हैं) का अनुमान पिछले डेटा के आधार पर लगाया जाता था।
- अब, **ASUSE** (असंगठित क्षेत्र के उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण) और **PLFS** (सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण) जैसे वार्षिक सर्वेक्षणों का उपयोग हर साल वास्तविक स्तर के अनुमान बनाने के लिए किया जाता है। इससे भारत की विशाल अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को मापने में सटीकता आती है।

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

2. डबल डिफ्लेशन (Double Deflation) को अपनाना

- पहले, विनिर्माण (Manufacturing) में इनपुट और आउटपुट दोनों को समायोजित करने के लिए एक ही थोक मूल्य सूचकांक (WPI) का उपयोग किया जाता था।
- अब, आउटपुट और मध्यवर्ती खपत (Intermediate Consumption) के लिए अलग-अलग डिफ्लेटर्स का उपयोग किया जाता है। यह विनिर्माण और कृषि में मूल्यवर्धन (Value Added) का अधिक वास्तविक माप प्रदान करता है।

IAS-PCS Institute

3. सप्लाई एंड यूज़ टेबल्स (SUT) का एकीकरण

- नया सिस्टम आपूर्ति और उपयोग तालिकाओं (SUT) को एकीकृत करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि: **कुल आपूर्ति = कुल मांग**। यह सांख्यिकीय विसंगति (Statistical Discrepancy) को कम करता है।

4. आधुनिक डेटा स्रोतों का उपयोग नई श्रृंखला इन डिजिटल डेटा का व्यापक उपयोग करती है:

- **GST डेटा:** कॉर्पोरेट गतिविधि के लिए।
- **PFMS:** वास्तविक सरकारी खर्च के लिए।
- **e-Vahan:** वाहनों से संबंधित खपत के लिए।
- **MCA-21:** कॉर्पोरेट फाइलिंग के लिए।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

5. बेहतर त्रैमासिक (Quarterly) GDP अनुमान

- त्रैमासिक GDP अब 'आनुपातिक डेंटन विधि' (Proportional Denton method) का उपयोग करती है। यह त्रैमासिक वृद्धि में कृत्रिम उछाल को हटाता है और सुचारू, वास्तविक अल्पकालिक रुझान सुनिश्चित करता है।

डिजिटल और गिग इकोनॉमी को शामिल करना

नई श्रृंखला निम्नलिखित को बेहतर ढंग से कवर करती है:

- प्लेटफॉर्म ड्राइवर (ओला, उबेर) और डिलीवरी वर्कर (ज़ोमैटो, स्विगी)।
- फ्रीलांसर और डिजिटल सेवा प्रदाता। यह सेवा-संचालित, प्लेटफॉर्म-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता को मजबूत करना

- भारत 'राष्ट्रीय लेखा प्रणाली' (**SNA 2008**) का पालन करता है और धीरे-धीरे SNA 2025 की ओर बढ़ रहा है।
- डिफ्लेशन विधियों में सुधार और SUT ढांचे को एकीकृत करके, नई GDP श्रृंखला वैश्विक तुलनाओं और क्रेडिट आकलन में भारत की विश्वसनीयता बढ़ाती है।

नीति और नागरिकों के लिए निहितार्थ

IAS-PCS Institute

GDP केवल एक अकादमिक आंकड़ा नहीं है। यह इन्हें प्रभावित करता है:

- राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) गणना।
- ऋण-से-GDP अनुपात (Debt-to-GDP ratio)।
- राज्यों को धन का हस्तांतरण।
- क्षेत्रीय नीति फोकस (जैसे डेयरी या मत्स्य पालन का सटीक मापन)।

चुनौतियां और चिंताएं

सुधारों के बावजूद:

- आधार वर्ष संशोधन अक्सर विवादों का कारण बनते हैं।
- डेटा पारदर्शिता उच्च बनी रहनी चाहिए।
- 'बैक-सीरीज' (पुराने डेटा का नए आधार पर मिलान) की गणना पद्धति ठोस होनी चाहिए।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

आगे की राह (Way Forward)

- SNA 2025 मानकों को तेजी से अपनाना।
- बैक-सीरीज डेटा को समय पर जारी करना।
- उपलब्ध होने पर उत्पादक मूल्य सूचकांक (**PPI**) को शामिल करना।
- राज्य सांख्यिकीय प्रणालियों को मजबूत करना।

निष्कर्ष: एक अधिक वास्तविक आर्थिक दिशा-सूचक की ओर

GDP आधार वर्ष को 2022-23 में संशोधित करना एक नियमित अभ्यास से कहीं अधिक है। यह उत्तर-GST, उत्तर-COVID और डिजिटलीकरण वाली अर्थव्यवस्था में भारत के आर्थिक दिशा-सूचक का पुन: अंशांकन (Recalibration) है। इस सुधार ने भारत के व्यापक आर्थिक शासन (Macroeconomic Governance) की रीढ़ को मजबूत किया है।

प्रारंभिक परीक्षा (PRELIMS) अभ्यास प्रश्न –

IAS-PCS Institute

प्रश्न 1. आधार वर्ष 2022–23 वाली नई जीडीपी श्रृंखला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों में डबल डिफ्लेशन पद्धति को अपनाया गया है।
2. नई जीडीपी श्रृंखला में डिफ्लेटर के रूप में थोक मूल्य सूचकांक (WPI) के उपयोग को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है।
3. जीडीपी आकलन में सांख्यिकीय विसंगतियों को कम करने हेतु आपूर्ति एवं उपयोग तालिका (SUT) ढाँचे को एकीकृत किया जा रहा है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 1 और 3

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

उत्तर: B) केवल 1 और 3

प्रश्न 2. नई जीडीपी श्रृंखला में प्रयुक्त निम्नलिखित आँकड़ा स्रोतों पर विचार कीजिए:

1. असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASUSE)
2. आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS)
3. सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (PFMS)
4. ई-वाहन (e-Vahan) डेटाबेस

उपरोक्त में से कौन-से स्रोत नई जीडीपी श्रृंखला में घरेलू क्षेत्र एवं सरकारी क्षेत्र के आकलन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग किए जाते हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 1, 2 और 3

C) 1, 2, 3 और 4

D) केवल 2 और 4

उत्तर: C) 1, 2, 3 और 4

IAS-PCS Institute

यूपीएससी मुख्य परीक्षा प्रश्न (15 अंक)

प्रश्न: "जीडीपी के आधार वर्ष में संशोधन केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं है, बल्कि आर्थिक मापन में एक संरचनात्मक सुधार है।"भारत की नई जीडीपी श्रृंखला (आधार वर्ष 2022–23) में प्रस्तुत प्रमुख कार्यप्रणालीगत सुधारों की चर्चा कीजिए तथा आर्थिक शासन एवं नीतिनिर्माण पर उनके प्रभावों का परीक्षण कीजिए।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806